IOSR Journal of Research & Method in Education (IOSR-JRME)
e-ISSN: 2320–7388, p- ISSN: 2320-737x Volume 8, Issue 6 Ver. II (Nov. – Dec. 2018), PP 64-67
www.iosrjournals.org

संवेगात्मक बुद्धि के संदर्भ में विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ लोकेश त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर, बी एड विभाग,
बाबा राघव दास पी.जी. कॉलेज , देवरिया

सारांश

विभिन्न मनोवैज्ञानिक कारक एक दूसरे को किसी न किसी प्रकार से प्रभावित करते हैं। यह अत्यावश्यक है कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास हेतु मनोवैज्ञानिक कारकों से शिक्षक परिचित हों। प्रस्तुत शोध में संवेगात्मक बुद्धि का सृजनात्मकता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को जानने का प्रयास किया गया है। शोध से प्राप्त निष्कर्षों के अनुसार संवेगात्मक बुद्धि का सृजनात्मकता पर धनात्मक प्रभाव पाया गया है। यदि किसी छात्र में संवेगात्मक बुद्धि अधिक हो तो उसे सृजनात्मक कार्यों की ओर प्रेरित किया जा सकता है। उसी प्रकार संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि में भी धनात्मक सह-संबंध पाया गया। यदि किसी उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि संतोषप्रद न हो तो संभावित कारणों का पता लगाकर तथा संवेगात्मक बुद्धि के विकास द्वारा समस्या का समाधान किया जा सकता है।

प्रस्तावना (Introduction) -

व्यक्ति के मानसिक विकास में संवेगों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। सुखद संवेगात्मक स्थिति होने पर मानसिक स्वास्थ्य में भी वृद्धि होती है। साथ ही उसकी सभी मानसिक शक्तियाँ एवं क्षमताएँ अधिक सक्रियता से कार्य करने में सहयोग करती हैं अर्थात् मानसिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवेगात्मक बुद्धि का होना आवश्यक है। यह भी सत्य है कि बुद्धि एवं सृजनात्मकता में संबंध होता है। बच्चों की सृजनात्मकता की प्रवृत्ति ज्ञात होने पर उन्हें नवीन आविष्कार एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित कर उनका आत्मबल एवं विश्वास बढ़ाया जा सकता है। अतः बच्चों में सृजनात्मक क्षमता का विकास करने के लिए एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि के लिए सकारात्मक संवेगात्मक वातावरण के निर्माण पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study) – शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं –

1. विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव का पता लगाना।
2. संवेगात्मक बुद्धि एवं सृजनात्मकता में सहसंबंध ज्ञात करना।
3. संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध ज्ञात करना।
4. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि की तुलना करना।
5. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की तुलना करना।
6. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) – प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएँ निम्नलिखित हैं –

01. संवेगात्मक बुद्धि एवं सृजनात्मकता में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।
02. संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।
03. उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में सार्थक अंतर नहीं होगा।
04. उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं होगा।
05. ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर नहीं होगा।
06. ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की सृजनात्मकता में सार्थक अंतर नहीं होगा।
07. ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं होगा।

परिसीमन (Delimitation) –

प्रस्तुत शोध देवरिया जिले के 02 शहरी शासकीय एवं 01 राजकीय पोस्ट-ग्रेजुएट कॉलेज तथा 02 ग्रामीण शासकीय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के स्नातक और परास्नातक में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा सामाजिक विज्ञान एवं हिन्दी विषय में उनकी शैक्षिक उपलब्धि तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया (Research Process) –

शोध विधि (Research Method) – प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श (Sample) – प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में देवरिया जिले के 02 शहरी शासकीय एवं 01 राजकीय पोस्ट-ग्रेजुएट कॉलेज तथा 02 ग्रामीण शासकीय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के स्नातक और परास्नातक में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया। ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों से न्यादर्श के रूप में 50 बालक तथा 50 बालिकाओं का चयन किया गया।

उपकरण (Tools) – प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है –

1. सृजनात्मकता मापनी
2. संवेगात्मक बुद्धि मापनी

चर (Variables) - प्रस्तुत शोध में चरों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया गया है –

1. स्वतंत्र चर – संवेगात्मक बुद्धि
2. आश्रित चर – सृजनात्मकता एवं शैक्षिक उपलब्धि
3. सहचर -

1. लिंग – छात्र/छात्राएँ
2. क्षेत्र – ग्रामीण/शहरी

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Operations) – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (t मान) तथा सह संबध की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक – 01: "विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं सृजनात्मकता में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 01

क्र.	**विवरण**	**छात्र संख्या**	**परीक्षण से प्राप्त मान**				**विशेष**
			M	**SD**	**df**	**t**	
1	संवेगात्मक बुद्धि	200	112.1	33.82	398	0.61	धनात्मक सहसंबंध
2	सृजनात्मकता	200	37.93	13.36			

संवेगात्मक बुद्धि एवं सृजनात्मक के मध्यमान क्रमशः 112.1 तथा 37.93, मानक विचलन 33.82 तथा 13.36 है। r का मान 0.61 पाया गया जो कि धनात्मक सहसंबंध दर्शाता है। विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं सृजनात्मकता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया। अतः परिकल्पना – 01 अस्वीकृत हुई।

परिकल्पना क्रमांक - 02 "संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसंबंध नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 02

क्र.	**विवरण**	**छात्र संख्या**	**परीक्षण से प्राप्त मान**				**विशेष**
			M	**SD**	**df**	**t**	
1	संवेगात्मक बुद्धि	200	112.1	33.82	398	0.55	धनात्मक सहसंबंध
2	सृजनात्मकता	200	45.01	20.042			

विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान क्रमशः 112.1 तथा 45.01, मानक विचलन 33.82 तथा 20.042 है। r का मान 0.55 पाया गया जो कि धनात्मक सहसंबंध दर्शाता है। अतः परिकल्पना – 02 अस्वीकृत हुई।

परिकल्पना क्रमांक – 03: "उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 03

क्र.	**विवरण**	**छात्र संख्या**	**परीक्षण से प्राप्त मान**				**विशेष**
			M	**SD**	**df**	**t**	
1	उच्च संवेगात्मक बुद्धि	100	56.64	18.75	198	3.44	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं
2	निम्न संवेगात्मक बुद्धि	100	31.60	19.5			

उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों के मध्यमान क्रमशः 56.64 एवं 31.60 है तथाt का मान 0.05 विश्वास स्तर पर प्राप्त मान से अधिक है। अतः उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना -03 अस्वीकृत हुई।

परिकल्पना क्रमांक – 04 "उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं होगा।

सारिणी क्रमांक- 04

क्र.	विवरण	छात्र संख्या	परीक्षण से प्राप्त मान				विशेष
			M	SD	df	t	
1	उच्च संवेगात्मक बुद्धि	100	48.33	11.23	198	1.02	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं
2	निम्न संवेगात्मक बुद्धि	100	31.60	19.5			

उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान क्रमशः 48.33 तथा 31.60, मानक विचलन 11.23 तथा 19.5 व 1 मान 1.02 पाया गया जो 0.05 विश्वास स्तर पर सारणी मान से कम है अर्थात् सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इसलिए परिकल्पना – 04 स्वीकृत हुई।
परिकल्पना क्रमांक – 05: "ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 05

क्र.	विवरण	छात्र संख्या	परीक्षण से प्राप्त मान				विशेष
			M	SD	df	t	
1	ग्रामीण	100	113.3	31.26	198	0.61	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं
2	शहरी	100	14.50	14.50			

ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के मध्यमान क्रमशः 113.3 तथा 25.5, मानक विचलन 31.26 तथा 14.50 व t मान 0.58 पाया गया जो 0.05 विश्वास स्तर पर सारणी मान से कम है अर्थात् सार्थक अंतर नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना - 05 अस्वीकृत हुई।
परिकल्पना क्रमांक – 06: "ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की सृजनात्मकता में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 06

क्र.	विवरण	छात्र संख्या	परीक्षण से प्राप्त मान				विशेष
			M	SD	df	t	
1	ग्रामीण	100	35.79	10.31	198	0.61	0.05विश्वास स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं
2	शहरी	100	25.5	14.50			

ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की सृजनात्मकता का मध्यमान क्रमशः 45. 75 तथा 44.29, मानक विचलन 20.55 तथा 20.34 व t मान 0.61 पाया गया। यह मान 0.05 विश्वास स्तर पर सारणी मान से कम है सार्थक अंतर नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना – 06 अस्वीकृत हुई।
परिकल्पना क्रमांक - 07 "ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक- 07

क्र.	विवरण	छात्र संख्या	परीक्षण से प्राप्त मान				विशेष
			M	SD	df	t	
1	ग्रामीण	100	35.79	10.31	198	0.61	0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं
2	शहरी	100	25.5	14.50			

ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान क्रमशः 35.79 तथा 25.5 मानक विचलन 10.31 तथा 14.50 व t मान 0.61 पाया गया जो 0.05 विश्वास स्तर पर सारणी मान से कम है अर्थात् सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना - 07 स्वीकृत हुई।
निष्कर्ष (Conclusion) – प्रस्तुत लघु शोध में संकलित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं –

1. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और सृजनात्मकता में धनात्मक सह-संबंध पाया गया।
2. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सह-संबंध पाया गया।
3. उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में सार्थक अन्तर पाया गया। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की सृजनात्मकता अधिक पायी गयी।
4. उच्च एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
5. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में अन्तर नहीं पाया गया।
6. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में अन्तर नहीं पाया गया।
7. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं पाया गया।

सुझाव (Suggestions) – शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं –

1. संवेगात्मक बुद्धि का प्रभाव बुद्धि लब्धि पर पड़ता है। अतः बच्चों की संवेगात्मक बुद्धि को विकसित किया जाए।
2. संवेगात्मक बुद्धि द्वारा सामाजिक गुण विकसित होते हैं। बच्चों में संवेगात्मक बुद्धि को विकसित किए जाने से समरसता, सहयोग, मित्रता जैसे गुण विकसित होंगे।
3. सृजनात्मक क्षमता विकसित करने हेतु शाला में बच्चों को नवीन मौलिक उत्पादक कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाए।
4. E.Q. बढ़ने से शैक्षिक उपलब्धि में भी वृद्धि होती है। शालेय वातावरण ऐसा हो कि बच्चे मिलकर अपना कार्य स्वयं करें। शिक्षक कक्षा कार्य में बच्चों की समान रूप से सहभागिता लें।
5. उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले बच्चों में सृजनात्मक क्षमता अधिक होती है जो बच्चे सृजनात्मक कार्यों में रूचि नहीं लेते उनको प्रेरित किया जाये। वाद-विवाद, सेमीनार, भ्रमण, स्काउट-गाइड, सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जायें।

संदर्भ (References) –

1. Asha, 1980 : Journal of American Science, 2009 P-110
2. Ailken Harra 2004 : Journal of American Science P-103
3. Aix, 1999 : Journal of American Science P-103
4. Behroomi, 1997 : Journal of American Science P-103
5. Karimi, 2000 : Journal of American Science P-103
6. Mishra, 2007 : लघु शोध, शास. उ. शि. महाविद्यालय, बिलासपुर
7. Nori, 2002 : लघु शोध, शास. उ. शि. महाविद्यालय, बिलासपुर
8. Sharma Renuka : By w.w.w.Edu.com.